वेहरातुम विनोतक /3 ग्रह्म 2005

तिका कहरीक विविधारीण जनपद अल्पोड़ा के आयारीय/अनामसीय भवनों के निर्माण वेतु विस्तीय यमें 2005-06 में धनसीश की स्वीकृति।

खार्यनत विपापत सामके पह रांखा-149/2E/5/2005-66 विगाप शूच हो तन्त्रमें में मुद्देश ए कहते जा निवेश हुआ है कि ज्ञापक अस्तीवा की सहसील निकियारीण के बावाजीता /अस्तावासीय भवनों के निर्माण हेतु अनुमोदित जागणन ७० 187.41 लाख के हैंगरित क्यारोप क्रमणी २० ४५३७ लाख (स्व मेंसठ लाख सत्ताईस इचार गान्) की प्रवासीत को व्यक्तित वर्ष में त्यार करने की श्री राज्यपाल महोदय संस्थे स्वीकृति

ातित मण्डाम लग वन्ती काता नजह विद्याल, विसीय तस्त पुरिसाल, स्तीर पत्र । जन र प्रवर्त वृद्धिया विकास निराम एवं शासान के अन्य प्रदृतिस्थक सार्थमा ना

2— व्हरा सम्बंद करें। है किया आयेगा , लिएकी हिंदी यह स्वीतकृत किया जा रहा है। कार्य की गुन्ताला ऐव समयदक्ता पर विशेष वल दिया जायेगा। कार्य की गुणतत्ता

का पूर्व समारवाधिक मानिया निर्माण एवंन्सी का होगा।

 इतिकार सगलांग जिलाधिकारी द्वारा आहरित करके शीच निर्माण इकाई को उपलब्ध नहरूने जारेगी। कुछ वनर्ग की वित्तीस एंच भीतिम प्रगति एवं लमधीयिता प्रमाण पत्र शासन

ह- ्र्न कोत्वत छन्त्राति को १० प्रतिभात रहम के द्वारागत ही प्रश्नमंत धनस्रीत का वाग्रहरूप गोजामात्र से विश्वय जात्रेगात्र

त वस्ते हिंगान के उन्तर तथा प्रकार होता प्रशासन की सन्तरी में अनुसार पूर्व कराई विकास महाराजन कर्न स्टालमा करा विचा आवेगा ।

इस नामक में होने माला चल विस्तीय वर्ष 2005-06 के आध-व्ययक की अनुदान अध्यानक कोव्यक्तियां ने 1059-कोम निर्माण कार्य पर बूजीयत परिवाय-80-अन्य ने विमान विद्यान विद्य

7— अहं आहेश दिला विभाग भी जाणानायीय संदर्शा-499 / गिठ अलुठ-3 / 2008

विवाद १६ जुन, 2010 ने प्राप्त चनकी नाहमती से विर्मत क्रिये का रहे हैं।

भवतीय (प्रीधन शाल) अंधर सचित्र।

र्थायम एम सन्दिर्धातः।

प्रतितिति विमाक्षिक्षित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यक्रिकी हेतु प्रेवित:--

- 1- विशिवस्थामार समार्थामस् देखसद्वा
- प्राथितिकारी, अस्तिहार
- टिजी सरिया गुरुपहर्ती।
- अध्य श्रमित, वित्त यनस्य अनुमान, संसार्थनम् शास्त्य ।
- E- आर एडिस निर्धानन विवास उत्तर्शतः शासन ।
- tiol 2001, Contrained to Georgiana (
- / वाहेतावाती अवस्थित अधिम अधिम्रहाण गीता प्रमाण, अस्तीसान
- at the segment
- O- HIS TOTALL

(चोहन लॉल) अपर सचिता